हरियाणा सहकारी प्रकाश

Haryana Sahkari Parkash

Publication Date 01.05.2025
Postal Registration No. G/CHD/0096/2024-26
Registrar of Newspapers of India
Regd. No. 46809/70 I Total Pages 32
Posted at MBU Chandigarh 1st of Every Month

International Year of Cooperatives 2025
Cooperatives Build a Better World

वर्ष : 56 / अंक 05 / 1 मई, 2025 / वार्षिक मूल्य : 500/- / प्रति कापी : 50/-

HARCOFED
Bays No. 49-52, Sector - 2, Panchkula
https://www.harcofed.org.in
harcofed@ymail.com

'विकसित भारत - विकसित हरियाणा' समारोह

क्षेत्रीय सहकारी प्रबंधन संस्थान, सैक्टर–32, चण्डीगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में माननीय सहकारिता राज्य मंत्री, भारत सरकार श्री कृष्ण पाल गुर्जर जी का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत करती सहकारिता विभाग हरियाणा की आयुक्त एवं सचिव, श्रीमती आशिमा बराड़, भा.प्र.से।

क्षेत्रीय सहकारी प्रबंधन संस्थान, सैक्टर–32, चण्डीगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में केंद्र प्रायोजित पैक्स कम्प्यूटरीकरण योजना के तहत 9 पैक्स '**ई–पैक्स**' के रूप में घोषित कर प्रमाण पत्र जारी करते माननीय सहकारिता राज्य मंत्री, भारत सरकार श्री कृष्ण पाल गुर्जर, सहकारिता मंत्री, हरियाणा डॉ. अरविन्द कुमार शर्मा व अधिकारीगण।

सम्पादकीय

पर्यावरण का महत्व

पर्यावरण शब्द का निर्माण दो शब्दों से मिल कर हुआ है, ''परि'' जो हमारे चारों ओर है ''आवरण'' जो हमें चारों ओर से घेरे हुए है, अर्थात पर्यावरण का शाब्दिक अर्थ होता है चारों ओर से घेरे हुए। पर्यावरण उन सभी भौतिक, रासायनिक एवं जैविक कारकों की समष्टिगत एक इकाई है जो किसी जीवधारी अथवा पारितंत्रीय आबादी को प्रभावित करते हैं तथा उनके रूप, जीवन और जीविता को तय करते हैं। पर्यावरण वह है जो कि प्रत्येक जीव के साथ जुड़ा हुआ है और हमारे चारों तरफ वह हमेशा व्याप्त होता है।

सामान्य अर्थों में यह हमारे जीवन को प्रभावित करने वाले सभी जैविक और अजैविक तत्वों, तथ्यों, प्रक्रियाओं और घटनाओं के समुच्चय से निर्मित इकाई है। यह हमारे चारों ओर व्याप्त है और हमारे जीवन की प्रत्येक घटना इसी के अन्दर सम्पादित होती है तथा हम मनुष्य अपनी समस्त क्रियाओं से इस पर्यावरण को भी प्रभावित करते हैं। इस प्रकार एक जीवधारी और उसके पर्यावरण के बीच अन्योन्याश्रय संबंध भी होता है। पर्यावरण के जैविक संघटकों में सूक्ष्म जीवाणु से लेकर कीड़े–मकोड़े, सभी जीव–जंतु और पेड़–पौधे आ जाते हैं और इसके साथ ही उनसे जुड़ी सारी जैव क्रियाएँ और प्रक्रियाएँ भी आ जाती है।

पर्यावरणीय समस्याएँ जैसे प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन इत्यादि मनुष्य को अपनी जीवनशैली के बारे में पुनर्विचार के लिये प्रेरित कर रही हैं और अब पर्यावरण संरक्षण और पर्यावरण प्रबंधन की चर्चा है। मनुष्य वैज्ञानिक और तकनीकी रूप से अपने द्वारा किये गये परिवर्तनों से नुकसान को कितना कम करने में सक्षम है, आर्थिक और राजनैतिक हितों की टकराव में पर्यावरण पर कितना ध्यान दिया जा रहा है और मनुष्यता अपने पर्यावरण के प्रति कितनी जागरूक है, यह वर्तमान में ज्वलंत प्रश्न हैं। सभी प्रकार के प्रदूषण से बचने के लिए यदि थोड़ा सा भी उचित दिशा में प्रयास करें तो पर्यावरण को बचाया जा सकता है।

हमारा पर्यावरण केवल पेड़ों, नदियों और जानवरों का संग्रह नही है, यह हमारे अस्तित्व का आधार है। सभी जीवित चीजों के परस्पर संबंध को समझना और पृथ्वी के संरक्षक के रूप में अपनी जिम्मेदारी को पहचानना आवश्यक है। संधारणीय प्रथाओं को अपनाकर, शिक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देकर, प्रभावी नीतियों को लागू करके और पर्यावरण के अनुकूल तकनीकी को अपनाकर, हम अपने ग्रह को स्वथ्य बनाने की दिशा में काम कर सकते हैं। हरकोफैड ने प्रण लिया है :–

पर्यावरण बचाना है यही है नारा हमारा।
प्रकृति का सरंक्षण करें मिटा दें दुख का अंधियारा।
संपूर्ण देश में सुख का प्रकाश जलाना है।
पर्यावरण बचाना है हमें पर्यावरण बचाना है।

हरियाणा सहकारी प्रकाश

मुख्य संरक्षक
आशिमा बराड़, भा.प्र.से.
आयुक्त एवं सचिव,
सहकारिता विभाग, हरियाणा

संरक्षक
राजेश जोगपाल, भा.प्र.से.
रजिस्ट्रार सहकारी समितियां,
हरियाणा

मुख्य सम्पादक
नरेश गोयल
प्रबन्ध निदेशक, हरकोफैड

सम्पादक
सौरव शर्मा

सुविचार

" मेरी एक ही इच्छा है कि भारत एक अच्छा उत्पादक देश हो और इस देश में कोई अन्न के लिए आंसू बहाता हुआ भूखा न रहे।"

– सरदार वल्लभभाई पटेल

'हरियाणा सहकारी प्रकाश' में प्रकाशित लेखकों के विचारों के साथ हरकोफैड का सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह लेखकों के अपने विचार हैं।

हरियाणा सहकारी प्रकाश की विज्ञापन दरें :–

क्र.सं.	विवरण प्रति प्रकाशन	रुपये
1.	पूरा पृष्ठ टाईटल रंगीन	30000/-
2.	पूरा पृष्ठ रंगीन	20000/-
3.	पूरा पृष्ठ श्याम–श्वेत	12000/-
4.	आधा पृष्ठ श्याम–श्वेत	6000/-

इस अंक में पढ़िए

सम्पादकीय 8

विकसित भारत–विकसित हरियाणा समारोह बना हरियाणा के विकास का साक्षी 6

प्रधानमंत्री ने किया हिसार में महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से हवाई सेवाओं के शुभारंभ व टर्मिनल–2 का शिलान्यास 7–9

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यमुनानगर में दीनबंधु छोटूराम थर्मल पावर प्लांट में 800 मेगावाट की तीसरी इकाई का किया शिलान्यास 10–14

सहकारिता के माध्यम से विकसित भारत का निर्माण पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आर आई सी एम चण्डीगढ़ में हुआ उद्घाटन 15–17

किसानों का एक–एक दाना खरीदेगी नायब सरकार : डॉ. अरविंद शर्मा 18

बारदाने की उपलब्धता सुनिश्चित करें अधिकारी : अरविंद शर्मा 19

इंटरनैशनल एयरपोर्ट बनने से हरियाणा में बढ़ेगा पर्यटन : डॉ. अरविंद शर्मा 19

हरियाणा के सभी टूरिज्म कॉम्प्लेक्स का किया जाएगा सौंदर्यीकरण –मुख्यमंत्री नायब सैनी 20

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 अभियान के अंतर्गत
विश्व स्वास्थ्य दिवस 2025 21–22
करनाल में निःशुल्क मेडिकल हेल्थ चेकअप 23
भिवानी में जागरूकता कैम्प 23

हरकोफैड द्वारा युवाओं के लिए खेल गतिविधियों का किया गया आयोजन 24

दी हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक पंचकूला के सर्वसम्मती से उपाध्यक्ष चुने गए – राम जतन गुज्जर डमौली 25

लवणीय एवं क्षारीय भूमियों का सुधार 26–27

पक्षियों को मिले दाना–पानी 28

किसान उत्पादक संगठन (FPO) ग्रामीण भारत की समृद्धि की चाबी 29–30

शोक सुचना 30

विज्ञापन 31

E-MAIL
harcofed@ymail.com
harcopress@gmail.com

Website
https://www.harcofed.org.in

विकसित भारत-विकसित हरियाणा समारोह बना हरियाणा के विकास का साक्षी

हरियाणावासियों को मिली 10 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने

महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से हवाई सेवाओं के शुभारंभ व टर्मिनल-2 का किया शिलान्यास

यमुनानगर में दीनबंधु छोटूराम थर्मल पावर प्लांट में 800 मेगावाट की तीसरी इकाई का किया शिलान्यास

यमुनानगर में गोबर-धन संयंत्र का शिलान्यास और रेवाड़ी बाईपास का किया उद्घाटन

प्रधानमंत्री ने किया हिसार में महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से हवाई सेवाओं के शुभारंभ व टर्मिनल-2 का शिलान्यास

बाबा साहेब के प्रेरणादायक संदेश के साथ आगे बढ़ रही है केंद्र व प्रदेश सरकार – प्रधानमंत्री

– महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से हवाई सेवाओं का शुभारंभ देगा प्रदेश को नई ऊंची उड़ान

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हिसार में भारत रत्न बाबा साहेब डा.भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से हवाई सेवाओं के शुभारंभ व टर्मिनल–2 के शिलान्यास किया। उन्होंने मुख्य मंच पर बाबा साहेब के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

उन्होने अपने सम्बोधन में कहा कि सरकार अपने वादे के अनुरूप हवाई चप्पल पहनने वाले गरीब लोगों द्वारा देखे गए हवाई सफर के सपने को साकार कर रही है। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से हवाई सेवाओं का शुभारंभ प्रदेश को देगा नई ऊंची उड़ान। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज देश दुनिया में भारत की पहचान कायम हो रही है। उन्होंने बताया कि देश में आजादी के 70 साल के कार्यकाल में साल 2014 से पहले महज 74 एयरपोर्ट होते थे किंतु आज यह आंकड़ा 150 को भी पार कर गया है। इसके अतिरिक्त लगभग 90 एरोड्रम उड़ान योजना से जुड़ चुके हैं और 600 से अधिक रूट पर उड़ान योजना के तहत हवाई सेवाएं चल रही है जहां कम पैसों में हवाई यात्रा की जा रही है। उन्होंने कहा कि एयरलाइन कंपनी ने भी 2000 नए हवाई जहाज का आर्डर दिया है, जितने ज्यादा हवाई जहाज आएंगे उतने ही ज्यादा नौकरी के अवसर बढ़ेंगे। इसके अतिरिक्त जहाज की मेंटेनेंस से जुड़ा बड़ा सेक्टर भी रोजगार के अवसर और बढ़ाएगा। हिसार का यह नया एयरपोर्ट हरियाणा के नौजवानों के सपनों को नई ऊंचाइयां देगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका वादा था कि हवाई चप्पल पहनने वाला हवाई जहाज में उड़ेगा और आज यह वादा पूरे देश में चारों तरफ पूरा होता दिख रहा है। पिछले 11 साल में करोड़ों भारतीयों ने पहली बार हवाई सफर किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार जहां एक तरफ कनेक्टिविटी पर फोकस कर रही है वहीं दूसरी तरफ गरीब, कल्याण और सामाजिक न्याय

भी सुनिश्चित कर रही है और यही बाबा साहब का सपना था व यही संविधान निर्माताओं की आकांक्षा थी।

मुख्य मंच पर पहुंचने पर अपने संदेश में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पूर्ण रूप से हरियाणवी शैली में जनसमूह से सीधा संवाद किया। उन्होंने हरियाणवी बोली में कहा– म्हारै हरियाणा के धाकड़ लोगां नै राम–राम, ठाढ़े जवान, ठाढ़े खिलाड़ी, ठाढा भाईचारा–यो सै हरियाणा की पहचान। यह सुनकर पूरे पांडाल ने प्रधानमंत्री का भव्य स्वागत तालियां बजाकर किया। उन्होंने हरियाणा के धाकड़ लोगों को राम–राम करते हुए लावणी के अति व्यस्त समय में भारी जनसंख्या में आने के लिए सभी का धन्यवाद भी व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि गरीब, शोषित व जरूरतमंद लोगों के जीवन में बदलाव लाने का सपना पूरा करने का लक्ष्य केंद्र सरकार ने देखा है, उसे पूरा करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निरंतर तेजी से विकास करवाना ही हमारा मूल मंत्र है और इसी मंत्र पर चलते हुए हरियाणा से अयोध्या धाम के लिए हवाई सेवा की शुरुआत हुई है। बाबा साहब का जीवन संघर्ष जीवन संदेश हमारी सरकार की 11 सालों की यात्रा का प्रेरणा स्तंभ बना है।

उन्होने कहा कि नायब सरकार ने अपने पहले कार्यभार संभालने के दौरान ही एक साथ 25000 योग्य युवाओं को सरकारी रोजगार से जोडते हुए पारदर्शिता का सार्थक कदम बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि नायब सिंह सैनी की सरकार आने वाले वर्षों में भी हजारों नई नौकरियों का रोड मैप बनाकर चल रही है। भाजपा सरकार ने सत्ता में आने के बाद पूरे देश में वन रैंक वन पेंशन योजना लागू की। उन्होंने कहा कि अब तक हरियाणा के वन रैंक वन पेंशन के तहत 13500 करोड़ रुपए की राशि जारी की जा चुकी है। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि हरियाणा विकसित भारत के संकल्प को मजबूती देगा और हरियाणा की मिट्टी की खुशबू इसी प्रकार दुनिया भर में महक बिखेरती रहेगी।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार ने अपने 10 साल के कार्यकाल में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के आदर्शों को आत्मसात करते हुए उनके जन्म स्थल से लेकर शिक्षा, दीक्षा व महानिर्वाण स्थलों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित करते हुए प्रेरणादायक संदेश दिया है। केंद्र सरकार का लक्ष्य वंचित, गरीब, शोषित, पीड़ित वर्ग के अधिकारों की रक्षा करना व उनके जीवन का उत्थान करना है।

हरियाणा में हुआ एक नई दिशा, नई उड़ान और एक नए युग का आरंभ – मुख्यमंत्री

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हिसार में भारत रत्न बाबा साहेब डा.भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से हवाई सेवाओं के शुभारंभ व टर्मिनल–2 के शिलान्यास अवसर पर आयोजित संकल्प की उड़ान समारोह में प्रधानमंत्री को हरियाणा आगमन पर किसान की समृद्धि व खुशहाली का प्रतीक गेहूं की बालियों को पुष्प गुच्छ भेंट किए तथा पगड़ी पहनाकर उनका सम्मान किया। उन्होंने गुरु जंभेश्वर, महाराजा अग्रसेन व अग्रोहा धाम को भी श्रद्धापूर्वक नमन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज 14 अप्रैल का यह दिन हम सबके लिए बड़ा ही ऐतिहासिक है। आज हम सब उस क्षण के साक्षी बन रहे हैं, जब हिसार की इस पावन भूमि पर नवनिर्मित महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से भगवान श्री राम की नगरी अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे तक हवाई उड़ानों का शुभारंभ शुरू

हो गया है। साथ ही हरियाणा के इस पहले एयरपोर्ट के दूसरे टर्मिनल के भवन का शिलान्यास भी विकास की दिशा में अहम कदम है। उन्होंने कहा कि हिसार ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में एक नया जोश है, एक नई चमक है। हरियाणा में एक नई दिशा, नई उड़ान और एक नए युग का आरंभ हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का विजन है कि 2047 में भारत विकसित देश बने, इसको साकार करने में हरियाणा का विशेष योगदान रहेगा।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को अवगत कराया कि यह वही हिसार है, जहां की मिट्टी से मेहनत की खुशबू उठती है, जहां पशुधन की समृद्धि गूंजती है, जहां के सैनिकों ने हमेशा हंसकर देश के लिए कुर्बानियां दी हैं। उन्होंने कहा कि आज विद्या का प्रकाश यहां हर घर को रोशन कर रहा है। यहां की राखी गढ़ी हमें हमारी प्राचीन सभ्यता की गौरव गाथा सुनाती है, तो अग्रोहा की धरती महाराजा अग्रसेन के व्यापारिक वैभव और सामाजिक समरसता की कहानी कहती है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ अटूट रिश्ता बताते हुए कहा कि उनका हरियाणा से एक विशेष लगाव है। उन्होंने कहा कि जब वे विधानसभा चुनाव के दौरान 28 सितंबर, 2024 को हिसार आए थे और तब उन्होंने इसी स्थल से हरियाणा की जनता से तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने का वादा लिया था। आज यह कहते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि हरियाणा के लोगों ने अपना वादा पूरा कर दिया है। हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी को मिली जीत केंद्रीय नेतृत्व के विश्वास, नीयत, नीति व नेतृत्व की जीत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की सरकार में तीसरी पारी के 100 दिनों के अंदर अंदर अपने संकल्प पत्र के 19 वादे पूरे कर दिए हैं। 90 वायदों पर काम शुरू हो चुका है और बाकी पर भी तेज गति से काम हो रहा है। हरियाणा में डबल इंजन की सरकार से ट्रिपल इंजन सरकार बन गई है और तीन गुना रफ्तार से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने माताओं–बहनों से लाडो लक्ष्मी योजना की शुरुआत का वादा किया था। पहले ही बजट में सरकार ने इस योजना के लिए 5 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान कर दिया है। आजादी के इतने वर्षों बाद भी देश के कई हिस्सों में हवाई संपर्क न होने से आम आदमी के लिए हवाई यात्रा करना एक हवाई सपना ही था। हर देशवासी के इस सपने को साकार करने का काम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने उड़ान योजना की शुरुआत करके किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा एयरपोर्ट के दूसरे टर्मिनल के भवन का शिलान्यास भी किया है और यहां से अयोध्या, जम्मू, अहमदाबाद, जयपुर और चंडीगढ़ के लिए लगातार हवाई उड़ानों का क्रम भी शुरू हो गया है।

इस अवसर पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल, हरियाणा के नागरिक उड्डयन एवं शहरी विकास मंत्री विपुल गोयल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा, सांसद धर्मबीर सिंह, राज्यसभा सांसद किरण चौधरी व सुभाष बराला, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली सहित प्रदेश के अन्य मंत्रीगण व विधायक गण मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यमुनानगर में दीनबंधु छोटूराम थर्मल पावर प्लांट में 800 मेगावाट की तीसरी इकाई का किया शिलान्यास

विकसित भारत के लिए विकसित हरियाणा हमारा संकल्प, इस संकल्प की सिद्धि) के लिए सरकार ज्यादा स्पीड से करेगी काम – प्रधानमंत्री

संविधान शिल्पी बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने प्रदेशवासियों को विकास परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने दीनबंधु छोटूराम थर्मल पावर प्लांट, यमुनानगर में लगभग 8469 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली 800 मेगावाट की तीसरी इकाई का शिलान्यास किया। इसके अलावा, यमुनानगर में 90 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित होने वाले गोबर–धन संयंत्र का शिलान्यास और लगभग 1069 करोड़ रुपये से निर्मित रेवाड़ी बाइपास का भी उद्घाटन किया।

ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हरियाणा पावर जनरेशन कार्पोरेशन लिमिटेड (एचपीजीसीएल) को दीनबंधु छोटूराम थर्मल पावर प्लांट, यमुनानगर में 800 मेगावाट की तीसरी इकाई स्थापित करने की अनुमति दी गई। यह परियोजना यमुनानगर में दीनबंधु छोटूराम थर्मल पावर प्रोजेक्ट में 2300 मेगावॉट इकाइयों वाले मौजूदा संयंत्र का विस्तार है। इस तीसरी इकाई के निर्माण के लिए 233 एकड़ भूमि का उपयोग किया जाएगा। इस परियोजना को पूरा करने के लिए 52 महीने की समय सीमा तय की गई है, जबकि वाणिज्यिक संचालन 48 महीनों के अंदर यानि मार्च, 2029 तक शुरू हो जाएगा। इस इकाई से हरियाणा की घरेलू ऊर्जा उत्पादन क्षमता 3,382 मेगावॉट तक बढ़ जाएगी।

श्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के भाई–बहनों को राम–राम कहते हुए मां सरस्वती के उद्‌गम स्थल, पंचमुखी हनुमान जी और कपाल मोचन की धरा को प्रणाम किया। उन्होंने कहा कि यहां संस्कृति, श्रद्धा और समर्पण की त्रिवेणी बहती है। उन्होंने बाबा साहेब

डॉ भीमराव अंबेडकर की 135 की जयंती पर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब का विजन, उनकी प्रेरणा निरंतर विकसित भारत की यात्रा में हमें दिशा दिखा रही है।

उन्होंने कहा कि यमुनानगर सिर्फ एक शहर नहीं, बल्कि यह भारत के औद्योगिक नक्शे का भी अहम हिस्सा है। प्लाईवुड उद्योग से लेकर पीतल और स्टील के बर्तन तक यह पूरा क्षेत्र भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती देता है। यह धरती कपाल मोचन मेला, ऋषि वेदव्यास की तपोभूमि और गुरु गोबिंद सिंह जी की शस्त्र भूमि है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यमुनानगर के साथ उनकी अनेक पुरानी यादें जुड़ी हैं। जब वे हरियाणा के प्रभारी थे, तो पंचकूला से यहां आना–जाना लगा रहता था और कर्मठ कार्यकर्ताओं के साथ काम करने का अवसर मिला। ऐसे कर्मठ कार्यकर्ताओं की परंपरा आज भी चल रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा लगातार तीसरी बार डबल इंजन सरकार के विकास को बढ़ता हुआ देख रहा है और अब तो ट्रिपल इंजन की सरकार हो गई है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि विकसित भारत के लिए विकसित हरियाणा हमारा संकल्प है। इस संकल्प की सिद्धि के लिए, हरियाणा के लोगों की सेवा के लिए और यहां के युवाओं के सपनों को पूरा करने के लिए सरकार ज्यादा स्पीड से और ज्यादा बड़े स्केल पर काम करेगी। गरीब, किसान, नौजवान और नारी शक्ति, इन चारों स्तंभों को सशक्त करने के लिए डबल इंजन सरकार निरंतर काम कर रही है और हम सभी के प्रयासों से हरियाणा जरूर विकसित होगा। हरियाणा फलेगा, फुलेगा और देश का नाम रोशन करेगा, ऐसी मेरी शुभकामनाएं हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में बिजली की बहुत बड़ी भूमिका होने वाली है और हमारी सरकार बिजली की उपलब्धता बढ़ाने के लिए चौतरफा काम कर रही है। चाहे वन नेशन–वन ग्रिड हो, नए पावर प्लांट हो, सोलर एनर्जी हो, न्यूक्लियर सेक्टर का विस्तार हो, हमारा प्रयास है कि देश में बिजली का उत्पादन बढ़े। राष्ट्र निर्माण में बिजली की कमी बाधा न बने। लेकिन कांग्रेस के दिनों को हमें भूलना नहीं चाहिए।

बीते एक दशक में भारत ने बिजली उत्पादन की क्षमता को करीब 2 गुणा किया है। आज भारत अपनी जरूरत को पूरा करने के साथ–साथ पड़ोसी देशों को बिजली निर्यात भी करता है।

श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एक तरफ तो हम देश को पावर के मामले में आगे बढ़ा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ देश के लोगों को पावर जनरेटर भी बना रहे हैं। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत घरों की छत पर सोलर पैनल लगाकर लोग अपने बिजली का बिल जीरो कर सकते हैं। इतना ही नहीं, जो अतिरिक्त बिजली का उत्पादन होगा, उसे बेचकर लोग कमाई भी कर सकते हैं। अब तक देश के सवा करोड़ से ज्यादा लोग इस योजना के तहत पंजीकरण करा चुके हैं। हरियाणा के भी लाखों लोगों ने इससे जुड़ने के लिए आवेदन किया है। जैसे–जैसे इस योजना का विस्तार हो रहा है, इससे जुड़ा इकोसिस्टम भी बढ़ रहा है। सोलर सेक्टर में नई स्किल बन रही है, एमएसएमई के लिए नए मौके बन रहे हैं और युवाओं के लिए अनेक अवसर तैयार हो रहे हैं। श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज दीनबंधु सर छोटू राम थर्मल प्लांट की तीसरी इकाई का काम शुरू हुआ है। इसका फायदा यमुनानगर को होगा, उद्योगों को होगा। भारत में जितना प्लाईवुड बनता है उसका आधा तो यमुनानगर में होता है। यहां एल्युमिनियम, कॉपर और पीतल के बर्तनों की

मैन्युफैक्चरिंग बड़े पैमाने पर होती है। यहीं से पेट्रोकेमिकल प्लांट के उपकरण दुनिया के कई देशों में भेजे जाते हैं। बिजली का उत्पादन बढ़ने से इन सभी को फायदा होगा और यहां मिशन मैन्युफैक्चरिंग को मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री का हरियाणा से विशेष लगाव, यह उनका 25वां दौरा – केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल

केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री श्री मनोहर लाल ने डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री ने महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट, हिसार से अयोध्या के लिए पहली फ्लाइट का शुभारंभ किया और एयरपोर्ट पर नए टर्मिनल भवन का शिलान्यास किया। इसी प्रकार, यमुनानगर में भी 800 मेगावाट की अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल यूनिट की आधारशिला, यमुनानगर में गोबर–धन संयंत्र की आधारशिला भी रखी गई है। इसके लिए वे प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हैं।

श्री मनोहर लाल ने कहा कि वे केंद्रीय मंत्री के रूप में तो प्रधानमंत्री का स्वागत करते ही हैं, साथ ही हरियाणा के अपने परिवारजन, जिन्होंने लगभग 10 वर्षों तक हरियाणा की सेवा करने का अवसर दिया, उन 2 करोड़ 80 लाख लोगों की ओर से भी वे प्रधानमंत्री का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि यमुनानगर उनके लिए इसलिए भी खास है क्योंकि अपने सामाजिक जीवन के लगभग 6 वर्ष यमुनानगर में बिताए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का हरियाणा से विशेष लगाव और जुड़ाव रहा है, ये प्रदेश उनकी कर्मभूमि है। 2014 से अब तक हरियाणा की जनता प्रधानमंत्री को इसलिए याद रखती है क्योंकि इन 10 वर्षों में प्रधानमंत्री ने 24 बार प्रदेश का दौरा किया है, जिनमें 13 बार सरकारी और 11 गैर सरकारी दौरे शामिल हैं। आज का यह दौरा उनका 25वां दौरा है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में उद्योगों और रोजगार के अवसर अहम होंगे। इनके लिए बिजली बहुत आवश्यक है। 2014 में देश में बिजली का उत्पादन 249 गीगावाट थी और आज 466 गीगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। वर्ष 2033–34 तक 874 गीगावाट का लक्ष्य है।

विकसित भारत के मानचित्र पर विकसित हरियाणा की भी होगी तस्वीर – नायब सिंह सैनी

श्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेशवासियों की ओर से मां सरस्वती की गोद में बसी पावन नगरी यमुनानगर में आने पर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। उन्होंने भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी की 135वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि आज हम सभी हरियाणावासियों के लिए बहुत बड़ा और शुभ दिन है। आज किसानों और मजदूरों के मसीहा दीनबंधु सर चौधरी छोटूराम के नाम पर स्थापित थर्मल पॉवर प्लांट में 800 मेगावाट की अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल यूनिट की आधारशिला प्रधानमंत्री द्वारा रखी गई है। साथ ही, यमुनानगर जगाधरी नगर निगम क्षेत्र में गोबर–धन संयंत्र की आधारशिला भी रखी गई है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने रेवाड़ी बाइपास परियोजना का भी उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं की सौगात देने के लिए मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री का धन्यवाद व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि हरियाणा के लिए आज का दिन एक और गौरवपूर्ण अध्याय के रूप में दर्ज हो गया है, जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर प्रदेशवासियों को विकास की नई सौगातें दी हैं, जो 'विकसित भारत –

विकसित हरियाणा' के संकल्प को साकार करेगी। यह प्रधानमंत्री की दूरदृष्टि और हरियाणा के प्रति उनके विशेष स्नेह का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार के श्गोबरधन मिशनश के तहत गोबरकृधन संयंत्र एक अहम प्रयास है और यह एक मिसाल भी है कि हम आधुनिक युग में भी अपने परंपरागत ज्ञान और कौशल का प्रयोग करते हुए विकास के मार्ग पर आगे कैसे बढ़ सकते हैं। यह परियोजना न केवल एक तकनीकी उपलब्धि होगी, बल्कि भविष्य की ओर बढ़ाया गया एक हरित, टिकाऊ और स्वच्छ कदम भी होगा।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यमुनानगर की धरती वह धरा है, जहां की माटी से लकड़ी और बर्तन के लघु उद्योगों से लाखों लोगों को रोजगार मिलता है। आज आपके आगमन से यह शहर विकास के स्वर्णिम युग में कदम रख रहा है। आज यहां की हवा में एक नया जोश है, एक नई उम्मीद है और एक नया उत्साह है।

पिछले 10 सालों में हरियाणा ने विकास के हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान किए स्थापित

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और प्रेरणा से पिछले 10 सालों में हरियाणा ने विकास के हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं और अपना परचम लहराया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हरियाणा डबल इंजन सरकार के साथ आगे बढ़ रहा था। लेकिन अब हरियाणा की जनता के आशीर्वाद और प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में हरियाणा में ट्रिपल इंजन की सरकार है। इस

तीसरी पारी में हरियाणा अब तीन गुना रफ्तार से आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि आज हरियाणा का ऐसा कोई जिला नहीं है, जहां से कोई नेशनल हाईवे न गुजरता हो। ऐसा कोई शहर, गांव, गली या कस्बा नहीं है, जिसकी कनेक्टिविटी जिला मुख्यालय से न हो। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने पिछले 10 सालों में हर क्षेत्र में अलग–अलग उपलब्धियां हासिल की है। अपनी एक अलग पहचान बनाई है।

हरियाणा के बिजली निगमों का देश में पहला और दूसरा स्थान हासिल करना ऐतिहासिक उपलब्धि

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने ऊर्जा क्षेत्र को राजनीति से हटाकर श्राष्ट्र नीतिश में बदला है। आज हरियाणा में बिजली के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आया है। पिछले 10 वर्षों में हरियाणा के बिजली उपक्रमों का घाटा 30 प्रतिशत से घटकर केवल 10.4 प्रतिशत रह गया है। यह केवल उदय स्कीम के माध्यम से हुआ है। हाल ही में जारी वर्ष 2023–24 की राष्ट्रीय रैंकिंग में उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम ने पूरे देश में प्रथम स्थान पाया है। इतना ही नहीं, पूरे देश में दूसरा स्थान दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम को मिला है। यह राज्य के लिए यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने हरियाणा में श्म्हारा गांव–जगमग गांवश योजना के तहत 24 घंटे बिजली देने का प्रावधान किया और हमें गर्व है कि आज 5,877 गांवों में 24 घंटे बिजली की आपूर्ति की जा रही है। बाकी बचे 1366 गांवों को इस योजना का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु शीघ्र ही नई स्कीम शुरू की जाएगी।

समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री श्री मनोहर लाल, केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह, केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री श्री कृष्ण पाल, हरियाणा के कैबिनेट मंत्री श्री अनिल विज, श्री कृष्ण लाल पंवार और श्री श्याम सिंह राणा सांसद श्री नवीन जिंदल, श्रीमती रेखा शर्मा, श्री रामचंद्र जांगड़ा और श्री कार्तिकेय शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सहकारिता के माध्यम से विकसित भारत का निर्माण पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आर आई सी एम चण्डीगढ़ में हुआ उद्घाटन

–ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करेगा सहकारिता, समावेशी युग की शुरुआतरू केंद्रीय राज्यमन्त्री कृष्णपाल गुर्जर

– 5 साल में 2 लाख नए पैक्सों का होगा गठन, मजबूत होगा सहकारिता का भाव

– विकसित भारत निर्माण में अहम भूमिका निभाएगा सहकारिता क्षेत्ररू डॉ अरविंद शर्मा

– त्रिभुवन सहकारिता विश्वविद्यालय से देश को उपलब्ध होगा कुशल श्रमबलरू डॉ अरविंद शर्मा

चंडीगढ़, 24 अप्रैल को क्षेत्रीय सहकारिता प्रबन्ध संस्थान, सेक्टर 32 चंडीगढ़ द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन विकसित भारत निर्माण सहकारिता के माध्यम से किसान सशक्तिकरण, विकास

व ग्रामीण में केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर व हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

केंद्रीय सहकारिता राज्यमन्त्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने में सहकारिता मंत्रालय अहम भूमिका अदा करेगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में सहकारिता क्षेत्र में समावेशी युग की शुरुआत हो चुकी है, जो अगले पांच साल में 1 लाख ट्रिलियन का योगदान करते हुए विकसित भारत निर्माण अभियान में अपनी अहम भूमिका अदा करेगा।

केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा वर्ष 2021 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सहकार से समृद्धि

संकल्प के साथ सहकारिता मंत्रालय का गठन किया था, ताकि सहकारी समितियों देश के सकल घरेलू उत्पाद में अपना योगदान देते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित कर सकें। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में बीते 3 साल में 60 के करीब पहल की गई हैं, जो देश की साढ़े 8 लाख सहकारी समितियों को विकसित बनाने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों को मजबूत बनाने के लिए आदर्श बायलॉज बनाया जा रहा है, ताकि एक विचार के साथ इन्हें आगे बढ़ाया जा सके। पैक्सों के कम्प्यूटरीकरण से कार्यकुशलता को बढाने व कारोबार में तेजी लाई जाएगी। केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि अगले 5 साल में सहकारिता क्षेत्र देश के विकास में 1 ट्रिलियन डॉलर का योगदान देगा। पैक्सों को बहुउद्देश्यीय बनाने के साथ–साथ 25 प्रकार के कार्यों को इसके दायरे में लाने से सहकारी समितियों के सदस्यों को स्वरोजगार को अधिक से अधिक संभावनाएं मिलेंगी, जिससे निश्चित तौर पर समाज व देश का लाभ होगा। उन्होंने कहा कि अगले पांच साल में 2 लाख नई सहकारी समितियों का गठन किया जाएगा, जिसमें बीते 4 माह में 15 हजार समितियों का गठन हो चुका है। उन्होंने कहा कि अगले 5 साल में पंजाब में 9000 नई सहकारी समितियां व हरियाणा में 2500 नई सहकारी समितियों का गठन किया जाएगा, ताकि सहकारिता क्षेत्र को मजबूत बनाया जा सके।

हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि कृषि प्रधान देश व ग्रामीण भारत मे सहकारिता सामाजिक व आर्थिक संरचना की अहम कड़ी है। यदि गांव मजबूत होंगे, तो देश मजबूत होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह का लक्ष्य हर गांव, हर किसान को समृद्ध बनाने का है, ताकि हर सहकारी संस्था आत्मनिर्भरता का प्रतीक बने। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 की दूरदर्शी सोच को धरातल पर लाने में सहकारिता क्षेत्र महत्वपूर्ण कड़ी का काम करेगा। डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि देश को पहला सहकारिता क्षेत्र का विश्वविद्यालय मिलने से इस क्षेत्र में कुशल श्रमबल की उपलब्धता बढ़ेगी और हर साल 8 लाख युवा डिग्री, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर शोध–अनुसंधान कर पाएंगे। त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी व सहकारिता क्षेत्र में

नवाचार व अनुसंधान को बढावा दिए जाने से हमारे युवाओं, महिलाओं व किसानों को सहकारी नेतृत्व मिलेगा। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में सहकारिता विभाग डिजिटलाइजेशन, ऑनलाइन खाद वितरण, कोल्ड स्टोरेज जैसी तकनीक को गांवों तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने मेरी समिति–मेरा पटल, एम पैक्सों के शुभारम्भ को नई पहल बताते हुए कहा कि सहकारिता क्षेत्र में डिजिटल मंच को मजबूत किए जाने से जन–जन तक इसकी पहुंच होगी।

राष्ट्रीय सम्मेलन के शुभारम्भ अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर व प्रदेश के सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया। उन्होंने विभिन्न सहकारी संस्थाओं द्वारा लगाई गई सहकारिता प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए उनके उत्पादों की सराहना की। कार्यक्रम की शुरुआत में पहलगाम में आतंकी हमले में जान गंवाने वाले नागरिकों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा गया व आतंक के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा कड़े कदम उठाए जाने की जानकारी सांझा की गई। इस अवसर पर सहकारिता मंत्रालय से पवित्र कुमार, हरियाणा सहकारिता विभाग की आयुक्त एवं सचिव आशिमा बराड़, निदेशक कपिल मीणा, निदेशक कुमार रामकृष्ण, हरियाणा सहकारिता विभाग के रजिस्ट्रार राजेश जोगपाल, पंजाब सहकारिता विभाग के रजिस्ट्रार विमल सेतिया, हैफेड के प्रबंध निदेशक मुकुल कुमार, क्षेत्रीय सहकारी प्रबन्ध संस्थान चंडीगढ़ के निदेशक डॉ राजीव कुमार सहित सहकारिता विभाग से जुड़े अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

किसानों का एक-एक दाना खरीदेगी नायब सरकार : डॉ. अरविंद शर्मा

हैफेड अधिकारियों को निर्देश, लेबर अतिरिक्त चार्ज न करें
नवनियुक्त नगर पालिका चेयरमैन शमशेर लोहान को दी शुभकामनाए

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व की सरकार किसानों की फसल का एक–एक दाना खरीदना सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा देश में सबसे ज्यादा 24 फसलों पर एमएसपी दे रहा है, जिससे किसान भाइयों को लाभ हो रहा है। उन्होंने अधिकारियों को बदलते मौसल के चलते फसल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने रविवार को नई अनाज मंडी नारनौंद का औचक निरीक्षक किया। उन्होंने किसानों और आढ़तियों से गेहूं खरीद प्रक्रिया को लेकर जानकारी ली। सन्दीप चेयरमैन के साथ–साथ आढ़तियों ने बताया कि मण्डी में फसल उठान कर रही लेबर उनसे अतिरिक्त चार्ज कर रही है, जबकि उनको ठेकेदार भुगतान करता है। इसपर सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने हैफेड के प्रबन्ध निदेशक मुकुल कुमार से फोन पर बात करते हुए निर्देश दिए कि ऐसी शिकायतों की जांच करवाई जाए।

इस दौरान किसानों व आढ़तियों से संवाद करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा सभी मंडियों में खरीद के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार किसान की फसल का एक–एक दाना खरीदना सुनिश्चित किया जाएगा। सरकार निरन्तर किसान कल्याण की दिशा में काम कर रही है।

किसान को गुणवत्ता बीज मिले और नकली बीज व कीटनाशक पर कार्रवाई हो, यह प्रदेश सरकार सुनिश्चित कर रही है। इस मौके पर नगर पालिका चेयरमैन शमशेर, लोहान, अजय शर्मा, सतबीर, कुलदीप गौतम, आजाद सेक्रेटरी, मुनीश लोहान, ओम प्रकाश शर्मा आदि मौजूद रहे।

बारदाने की उपलब्धता सुनिश्चित करें अधिकारी : अरविंद शर्मा

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने मोहाना मंडी का औचक निरीक्षण करते हुए खरीद कार्यों और सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने किसानों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं भी जानी। किसानों द्वारा बारदाने की कमी के चलते फसल उठान में हो रही देरी का मुद्दा उठाया तो डॉ. अरविंद शर्मा ने तुरंत एफसीआई के डीएम को फोन करके गेहूं उठान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शनिवार शाम को जुआं गांव में एक कार्यक्रम से लौटते समय सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने मोहाना मंडी का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों से मुलाकात की। इस दौरान किसानों ने बताया कि फसल का उठान बारदाने की कमी के चलते नहीं हो पा रहा है। इसके बाद कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने डीएम, एफसीआई को फोन करके कल तक फसल उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने डीएम को स्पष्ट निर्देश दिए कि बारदाने की कमी नहीं रहने देनी है।

मंत्री डॉ. अरविंद ने ब्रिकी के लिए आए गेहूं में नमी जांचने की मशीन लगवाकर नमी जांचने की मशीन लगवाकर नमी की मात्रा की जानकारी भी ली। उन्होंने किसानों से कहा कि फसल बेचने के दौरान अगर किसी तरह की कोई दिक्कत आती है तो तुरंत उसे फोन करें। इस जल्द से जल्द समाधान कराया जाएगा।

इंटरनैशनल एयरपोर्ट बनने से हरियाणा में बढ़ेगा पर्यटन : डॉ. अरविंद शर्मा

हरियाणा के सहकारिता और पर्यटन तथा कारागार मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हरियाणा के साथ विशेष लगाव रहा है। प्रधानमंत्री बनने के बाद प्रधानमंत्री हरियाणा में 25 दौरे कर चुके हैं। उन्होंने इस दौरान हरियाणा को मनोहारी सौगातें दी हैं।

उन्होंने कहा कि हरियाणा के लोगों को महाराजा अग्रसेन इंटरनैशनल एयरपोर्ट का उपहार दिया है। इसके बाद हरियाणा के लोगों को हवाई सफर करने का अवसर मिलेगा।

इस एयरपोर्ट के बाद हरियाणा का पर्यटन भी बढ़ेगा। हरियाणा को इंटरनैशनल पर्यटन मैप पर लाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार संकल्पित हैं।

उन्होंने कहा कि विमान तल बनने के बाद हरियाणा में इंटरनैशनल स्तर के पर्यटक भी आ सकेंगे। हरियाणा को पर्यटन की दृष्टि से अग्रणी प्रदेश बनाने के लिए प्रदेश सरकार आवश्यक कदम उठा रही है।

उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री ने हरियाणा को थर्मल पावर संयंत्र एयरपोर्ट तथा मेडिकल कॉलेज की सौगात दी हैं।

इसके लिए वह पीएम के साथ केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आभारी हैं। उन्होंने संविधान निर्माता डॉ. अम्बेडकर को भी नमन किया।

हरियाणा के सभी टूरिज्म कॉम्प्लेक्स का किया जाएगा सौंदर्यीकरण –मुख्यमंत्री नायब सैनी

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को स्वर्ण जयंती गुरू दर्शन यात्रा और कैलाश मानसरावर यात्रा का विस्तार करने के निर्देश दिए है, ताकि नागरिकों के लिए तीर्थयात्रा के अवसरों में बढ़ोतरी हो सके। साथ ही, पर्यटन विभाग को हरियाणा के सभी पांच होटल प्रबंधन संस्थानों में बेहतर व्यय प्रवेश सुनिश्चित करने को मृत्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री आज यहां हरियाणा विरासत एवं पर्यटन विभाग को समीक्षा बैठक को अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में विरासत एव पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में, हरियाणा पर्यटन निगम अपने 42 टूरिज्म कॉम्लेक्स में बैकेट हॉल, समिति कक्ष और सम्मेलन हॉल के लिए बुकिंग प्रणाली को डिजिटल करेगा। मुख्यमंत्री ने हाल ही में शुरू की गई डिजिटल बुकिंग पहलो और मैक माई ट्रिप और बुकिंगगजिनी जैसे ऑनलाइन ट्रैवल एजेंटों के साथ सहयोग की भी समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि हरियाणा पर्यटन निगम के अंतर्गत आने वाले राज्यभर के सभी टूरिज्म कॉम्लेक्स का सौंदयीकरण करने के साथ–साथ उन्हें आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाए। उन्होंने कहा कि इस पहले से जनता के बीच न केवल इन परिसरो की लोकप्रियता बढ़ेगी, बल्कि उनके राजस्व में भी वृद्धि होगी। श्री नाबय सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार हरियाणा में पर्यटन को और अधिक बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में कई विशेष पहलें शुरू की गई है, जिनमें होम स्टे योजना का क्रियान्वयन, फार्म टूरिज्म को बढ़ावा सामूहिक खेल गतिविधियां और टूस्टिनेशन वेड़िग जैसी योजनाएं शामिल है।

सूरजकुड फरीदाबाद में बुनियादी ढ़ाचे को सुदृढ़ करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के प्रसिद्ध मुगल गार्डन की वर्ज पर 10 एकड क्षेत्र में एक सुर गार्डन विकसित किया जाए। गार्डन में हरियाली के साथ–साथ साहसिक गतिवियां, लाइटिंग, संगीत और लेजर शो जैसी सुविधाएं भी शामिल हो जाएगी ताकि आम जनता को एक समृद्ध और मनोरंजक अनुभव मिल सके।

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 अभियान के अंतर्गत हरकोफैड द्वारा मनाया गया

विश्व स्वास्थ्य दिवस 2025

पंचकूला में सेमिनार, करनाल में निःशुल्क मेडिकल हेल्थ चेकअप और भिवानी में जागरूकता कैम्प का किया आयोजन

दिनांक 07 अप्रैल 2025 को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर हरकोफैड द्वारा लोक निर्माण विभाग, सैक्टर–1, पंचकूला के सभागार में सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 250 अंगनवाड़ी वर्कर्स एवं अंगनवाड़ी सुपरवाइजरस ने भाग लिया। सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया गया है जिसमें सहकारिता विभाग हरियाणा इस अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 अभियान के अंतर्गत पूरे वर्ष छोटे–बड़े हर दिवस पर पूरे हरियाणा में कार्यक्रम आयोजित करेगा। हरकोफैड जो सहकारिता विभाग हरियाणा की सहकारी संस्था है वह सभी कार्यक्रमों का आयोजन करवाएगी। इस बार स्वस्थ शुरूआत, आशावादी भविष्य थीम ने विश्व स्वास्थ्य दिवस को ओर भी खास बनाया क्योंकि इस थीम का लक्ष्य माताओं ओर नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य और जीवन रक्षा को बढ़ाने

पर ध्यान केंद्रित करना है और परिहार्य मातृ एवं शिशु मृत्यु के बारे में जागरूकता को प्रोत्साहित करना है। इस विषय पर सेमिनार में Asha Child Care and Development Clinic की Director डॉ छाया प्रसाद, Command Hospital Chandimandir से Dietitian श्रीमती शेफाली शर्मा को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया जिन्होने सेमिनार में उपस्थित सभी महिलाओं को इस ज्वलंत मूद्दे के विषय में बेहतरीन तरीके से अवगत करवाया। उन्होने बताया कि महिलाओं और नवजात शिशुओं की भलाई सुनिश्चित करने और वैश्विक स्वास्थ्य लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मातृ मृत्यु दर पर ध्यान देना अति आवश्यक है। जब महिलाएं गर्भ धारण करती हैं तो उन्हें क्या–क्या आहार लेना चाहिए और बच्चे का ख्याल कैसे रखना चाहिए। सेमिनार में विशेष अतिथि के रूप में पंचकूला इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष बेनु राव उपस्थित रही ओर महिलाओं को स्वस्थ शुरूआत, आशावादी भविष्य के लिए प्रोत्साहित किया।

हरकोफैड के प्रबंध निदेशक एवं संयुक्त रजिस्ट्रार नरेश गोयल ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अंतर्गत ऐसे कार्यक्रम माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा श्री नायब सैनी एवं आदरणीय सहकारिता मंत्री हरियाणा डॉ अरविन्द कुमार शर्मा जी के नेतृत्व में समय–समय पर आयोजित किए जांएगें जिनकी अध्यक्षता रजिस्ट्रार सहकारी समितियां हरियाणा श्री राजेश जोगपाल, भा.प्र.से कर रहे हैं।

सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में अतिरिक्त रजिस्ट्रार सहकारी समितियां हरियाणा सुश्री पूनम नारा उपस्थित रहीं। उन्हीं के साथ अतिरिक्त रजिस्ट्रार कविता धनखड़, संयुक्त रजिस्ट्रार योगश शर्मा एवं नरेश गोयल और हरकोफैड के प्रचार अधिकारी सौरव शर्मा मौजूद रहे।

निः शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

गांव शाहपुर, करनाल में विश्व स्वास्थ्य शिविर कैम्प का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. विजय सिंह रहे। डॉ. सुलेश, डॉ. भारत व सहकारी समितियों से आई श्रीमती अनु, सब इन्सपेक्टर पैक्स प्रबन्ध गांव के सरपंच इन सभी का हरकोफैड द्वारा स्वागत किया गया व शाहपुर गांव के लगभग 120 से 150 से अधिक ग्रामवासियों न भाग लिया व अपनी बिमारियों की जांच करवाई व दवाईयां उपलब्ध करवाई। डॉ. विजय ने सभी को चैक किया व उनका उपाय बताया सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी श्री जगदीप सिंह ने सभी आये हुए अतिथि वक्ता का स्वागत किया व धन्यवाद किया।

सहकारिता का प्रचार–प्रसार विस्तृत कैम्प से बताया व सभी गांव वासियों का बहुत–बहुत धन्यवाद किया।

जागरूकता कैम्प

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर आयोजित जागरुकता कार्यक्रम जिसका विषय नशीली दवाओं का दुरुपयोग रहा महाराजा नीम पाल सिंह राजकीय महाविद्यालय भिवानी में आयोजित किया गया।

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 अभियान के अंतर्गत हरकोफैड द्वारा युवाओं के लिए खेल गतिविधियों का किया गया आयोजन

दिनांक 19 अप्रैल 2025 को हरकोफैड द्वारा यवनिका टाउन पार्क सेक्टर 5 पंचकूला में युवाओं के लिए खेल गतिविधियों का आयोजन करवाया गया जिसमें लगभग 150 युवाओं ने भाग लिया। हरकोफैड के प्रचार अधिकारी श्री सौरव शर्मा ने बताया कि ये आयोजन अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 अभियान के अंतर्गत करवाया गया। कार्यक्रम का लक्ष्य आज की युवा पीढ़ी को पारंपरिक खेलों से जोड़ना है तथा समाज में फैली नशे जैसी कुरीति से दूर करना है। आज हमारा युवा पारंपरिक खेलों को छोड़कर मोबाइल फोन और अन्य तकनीकी गेम्स में व्यस्त है जिसका प्रभाव उन पर दिन प्रतिदिन गलत पड़ रहा है और वह समाज से दूर होता जा रहा है। सहकारिता विभाग हरियाणा माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और माननीय सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद कुमार शर्मा जी के नेतृत्व में युवाओं को सहकारिता से भी जोड़ने का काम निरंतर कर रहा है की ज्यादा से ज्यादा युवा सहकारिता से जुड़कर आत्मनिर्भर बनें । कार्यक्रम में सभी को VITA द्वारा दूध और लस्सी का मुफ्त वितरण किया गया, जिससे सभी को अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रेरित किया गया एवं खेल के मैदान में शक्ति का प्रदर्शन किया गया। आज Vita अपने उत्पादों द्वारा पूरे भारतवर्ष में मशहूर हो रहा है। कार्यक्रम में TANGY SUMMER की टीम ने भी बढ़ चढ़कर भाग लिया और यवनिका में आए पर्यटकों ने भी आयोजन का आनंद उठाया। बुजुर्गों ने भी बचपन में खेले जाने वाले खेलों के विषय में युवकों को बताया और उन्हें खेल कर भी दिखाया। कार्यक्रम में हारकोफेड के प्रचार अधिकारी श्री सौरव शर्मा एवं प्रणाम इंडिया फाउंडेशन की डायरेक्टर श्रीमती शालू भी उपस्थित रही।

इस आयोजन ने खेलों तथा सामुदायिक सहभागिता के महत्व को उजागर किया और सहभागियों को एक स्वस्थ जीवन शैली की दिशा में प्रेरित किया।

दी हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक पंचकूला के सर्वसम्मती से उपाध्यक्ष चुने गए – राम जतन गुज्जर डमौली

दिनांक 07 अप्रैल 2025 को दी हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक पंचकूला कार्यालय में निदेशक मण्डल की बैठक में उपाध्यक्ष के पद के लिए चुनाव किया गया जिसकी अध्यक्षता अतिरिक्त रजिस्ट्रार सहकारी समितियां हरियाणा, श्रीमती कविता धनखड़ ने पीठासीन अधिकारी के रूप में की। बैठक में निदेशक मण्डल के सभी सदस्य उपस्थित हुए जिसमें निदेशक, श्री भरत सिंह मलिक द्वारा उपाध्यक्ष के पद के लिए श्री राम जतन गुज्जर डमौली का नाम प्रस्तावित किया गया और निदेशक, श्री दलीप सिंह यादव द्वारा सर्मथन किया गया जिसकी सहमती जताते हुए चुने हुए निदेशक मण्डल के सभी सदस्यों द्वारा राम जतन गुज्जर को सर्वसम्मती से बैंक का उपाध्यक्ष चुना गया। पीठासीन अधिकारी श्रीमती कविता धनखड़ द्वारा उपाध्यक्ष पद के लिए श्री राम जतन डमौली के नाम की घोषणा की गई।

बैठक में बैंक के प्रबंध निदेशक एवं संयुक्त रजिस्ट्रार, नरेश गोयल, अतिरिक्त रजिस्ट्रार सहकारी समितियां एवं लेबरफैड के प्रबंध निदेशक विरेन्द्र दहिया, मुख्य वित्त सलाहकार, वित्त विभाग, हरियाणा, श्रीमती किरण लेखा वालिया एवं निदेशक मण्डल के सभी सदस्य मौजूद रहे। चुनाव उपरान्त नवनियुक्त उपाध्यक्ष राम जतन गुज्जर ने माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी, माननीय सहकारिता मंत्री डॉ अरविन्द कुमार शर्मा, माननीय कृषी मंत्री हरियाणा, श्री श्याम सिंह राणा एवं पूर्व कैबीनेट मंत्री, हरियाणा श्री कंवरपाल गुज्जर का आभार व्यक्त किया और कहा कि जो विश्वास सरकार द्वारा उन पर दिखाया गया है वे उसे पूरी कर्मठता, निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाएंगे और हरियाणा के किसानों के हित में नई योजनांए को सकारात्मक आकार देकर बैंक को नईं उंचाइयों तक ले जाने का प्रयास करेंगे।

जय हरियाणा–सहकार

लवणीय एवं क्षारीय भूमियों का सुधार

सत्यजीत, महक नागोरा एवं धर्म प्रकाश
चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, बावल

लवणीय भूमि वह भूमि है जिसमें नमक की मात्रा के कारण भूमि के संतृप्त निष्कर्ष की विद्युत चालकता 4.0 डेसी साइमन प्रति मी. से अधिक होती है जबकि विनिमयशील सोडियम 15 प्रतिशत से कम होता है। खारी (पी.एच.) प्रायः 8.7 से कम ही होता है। इसमें सोडियम के क्लोराईड और सल्फेट नमक ज्यादा मात्रा में होते हैं। इसमें पानी आसानी से रिसकर नीचे चला जाता है।

क्षारीय भूमि में नमक की मात्रा कम होती है (संतृप्त निष्कर्ष की विद्युत चालकता 4.0 डैसी साइम प्रति मी. से कम) व खारी अंग (पी.एच.) प्रायः 8.7 से अधिक होता है। पानी के रिसने की क्षमता एक दम घट जाती है और भूमि सख्त हो जाती है। इसमें सोडियम कार्बोनेट और बाईकार्बोनेट ज्यादा मात्रा में होते हैं। विनिमयशील सोडियम 15 प्रतिशत से अधिक होता है।लवणीय व क्षारीय भूमि में नमक की मात्रा तो लवणीय भूमि की तरह ही होती है साथ में विनिमयशील सोडियम क्षारीय भूमि की तरह होता है। खारी अंग (पी.एच.) भी 8.7 से अधिक होता है। भूमि सख्त होती है व इसमें पानी रिसने की क्षमता घट जाती है। उपर्युक्त दोनो भूमियों में जिस प्रकार के नमक होते है इसमें भी वही होते है।

सुधार की दृष्टि से भूमि को दो श्रेणियों में ही रखा जाता है। पहली लवणीय व दूसरी क्षारीय जो तीसरी श्रेणी की भूमि है वह सुधार की दृष्टि से दूसरी श्रेणी में ही आती है।

लवणीय भूमि का सुधारः–

पानी का चोआ ऊपर आने से मिट्टी के नमक घुलकर ऊपर आ जाते हैं। पानी भाप बनकर उड़ जाता है और नमक भूमि की ऊपरी सतह पर रह जाते हैं। अधिक नमकीन पानी से सिंचाई करने से भी भूमि में नमक इकट्ठे हो जाते हैं जिससे लवणीय भूमि बन जाती है। लवणीय भूमि का सुधार निम्न तरीकों से करें:–

- एक एकड़ खेत को 8 बराबर बराबर टुकड़ों में बांट लें।
- प्रत्येक टुकड़े के चारों ओर 30 से0मी0 ऊंची मजबूत मेंड बनायें।

- भूमि के इन टुकड़ों को परी सावधानी से समतल करें।
- इसके पश्चात प्लांटो को दो बार 30–30 सै0मी0 पानी भर दें। इससे भूमि की 30 सै0मी0 की तह में पहले के मुकाबले 10 प्रतिशत से भी कम लवण रह जायेगें।
- शुरू में चावल, गेहूं व जौ जैसी सहनशील व अर्धसहनशील फसलें उगायें। यदि प्रयाप्त पानी न हो तो धान न लगायें।
- ऐसी भूमि में सदैव फसलें उगाएं ताकि भूमि में जल स्तर नीचा रहें और लवण ऊपर न आने पायें।
- यदि भूमिगत जल अच्छी किस्म का है और जल–स्तर 2 मीटर तक है तो ऐसे खेतों की सिंचाई नियमित रूप से करें।

लवणीय–क्षारीय और केवल क्षारीय भूमि का सुधारः–

- एक एकड़ खेत को 8 बराबर बराबर टुकड़ों में बांट लें।
- प्रत्येक टुकड़ें के चारों ओर 30 सै0मी0 ऊँची मजबूत डोल (मेढे) बनाएं।
- प्रत्येक टुकड़े को पूरी सावधानी से समतल करें।
- घुलनशील कार्बोनेट की अधिक मात्रा को कम करने के लिये खेत में 20 सै0मी0 गहरा अच्छा पानी भरें व रिसने दें।
- बतर आने पर भूमि की ऊपरी 10–15 सै0मी0 परत के लिये कुल सिफारिश के 50 प्रतिशत जिप्सम (30 मेश) के पाऊडर को समान रूप से बिखेरे। जिप्सम की सही मात्रा जानने के लिये मिट्‌टी परिक्षण प्रयोगशाला से मिट्‌टी की जाँच कराएं।
- जिप्सम को भूमि की सतह पर बिखेरने के बाद 10 सै0मी0 गहरी जुताई करें। जिप्सम को इससे अधिक गहरा न मिलायें वरना इसकी उपयोगिता घट जायेगी।
- जिप्सम डाले गए खेत में अच्छे पानी से 15 सै0मी0 गहरी सिंचाई करें।
- खरीफ के मौसम में धान की खेती करें। लगभग 30 दिन पुरानी धान की पौध 15 सै0मी0 ग 15 सै0मी0 की दूरी पर रोपनी चाहिए। इस भूमि पर गारा/कद्‌दू न करें। एक स्थान पर 3 या 4 पौध लगाएं और इन्हें 2–3 सै0मी0 से गहरा ना रोपें।
- नाइट्रोजन फास्फोरस व पोटाश की मात्रा प्रति एकड़ 60, 24 और 24 कि.ग्रा. खेत में डालें। प्रति एकड़ 20 कि.ग्रा. जिंक सल्फेट भी डालें। सारा फास्फेट और जिंक सल्फेट रोपाई से पहले प्रयोग करें जबकि नाइट्रोजन को बाद में थोड़ा–थोड़ा डालकर 3 बार में डाले।
- यदि पानी पूरा न हो तो धान न लगाऐं। वर्षा ऋतु के शुरू में ढैंचा बीजें और सितम्बर में हरी खाद बनायें या बीज के लिये रखे। ढैचें की फसल के बाद जौ या गेहूं की फसल ली जा सकती है।
- ऊपर लिखी गई प्रक्रिया अगले वर्ष फिर दोहराएं लेकिन जिप्सम का प्रयोग न करें।
- धान के बाद खेत में गेहूं, जौ, चुकन्दर, सैंजी, बरसीम आदि की फसल उगाई जा सकती है।

असिंचित या बरानी क्षेत्रों में कल्वर भूमि को सुधारना काफी कठिन कार्य है। इन क्षेत्रों में वर्षा आने से पहले ही खेत को समतल करके, एक एकड़ को 8 बराबर हिस्सों में बांट कर, चारो ओर 30 सै0मी0 ऊंची मजबूत डोल लगाकर और मिट्‌टी परिक्षण रिपोर्ट के अनुसार जिप्सम डालकर इसे ऊपर की 10 सै0मी0 मिट्‌टी की तह मे अच्छी प्रकार मिला दें। यह सभी कार्य वर्षा आने से पहले पूरे कर लेने चाहिए। एक डेढ महीने बाद बीज के लिये ढेंचा बो दें। फिर इसे काटने के बाद समय हो और मिट्‌टी में नमी हो तो जौ लगाएं। खाद व उर्वरकों का प्रयोग मिट्‌टी की जाँच एवं फसलों की जरूरत के आधार पर ही करें।

पक्षियों को मिले दाना–पानी

गर्म मौसम की तपिश से पक्षी भी परेशान होते हैं। दाने–पानी के लिए उनकी समस्या आप हल कर सकते हैं।

पक्षियों को इस मौसल में दाना–पानी के लिए बहुत भटकना पड़ता है। ऐसे में आप उनके लिए अपने घर पर ही इन चीजों की आसानी से व्यवस्था कर सकते हैं। साथ ही इन मासूमों के लिए घर भी बना दीजिए।

- चौकोर आकार का तेल का बड़ा डिब्बा ले लें। बड़ा इसलिए क्योंकि ये जितना बड़ा होगा उतना ज्यादा पानी आ पाएगा और उतने ही अधिक पक्षियों के लिए जगह बन पाएगी।
- अब इसके चारों तलों को चित्रानुसार कटर से काटकर अलग कर दें। एक सकोरा लें। सकोरा इतना बड़ा हो कि डिब्बे के तल में अच्छी तरह से फिट हो जाए।
- अब एक एस आकार का हुक लें और उसमें डिब्बे को फंसाकर किसी पेड़ या फिर बालकनी में टांग दें ताकि पक्षियों को छाया भी मिलती रहे। सकोरे में पानी भर दें।
- आप इसी तरह से उनके लिए फीडर भी बना सकते हैं। तैयार किए गए फीडर को ऐसे स्थान पर रखें जहां पक्षियों को बिल्ली आदि से कोई खतरा न हो।

पक्षियों का घर

नारियल के रेशे निकालकर अलग कर लें। एक पतला कागज लें, उसे 3 सेमी चौड़ाई और 15 सेमी, लंबाई में काट लें। किनारों पर थोड़ी–थोड़ी जगह छोड़कर पूरे कागज पर मजबूत गोंद लगा दें। इसके बाद इस पर नारियल के रेशे चिपका दें। अतिरिक्त रेशों को कैंची से काटकर अलग कर दें।

- अब दोनों किनारों को आपस में चिपका दें। इससे एक बेलननुमा आकृति बन जाएगी। इसे बीच में से ऐसे कोटें कि एक दरवाजा जैसी आकृति बन जाए। 15 सेमी. व्यास वाला एक कागज का गोला काट लें। इसके बीच में एक कट लगाएं और एक सिरे को अंदर की ओर चिपकाकर इससे एक शंकु बना लें। उसके ऊपर भी नारियल के रेशे चिपका दें। एक और 15 सेमी. व्यास वाला गोला काटें और इस पर नारियल के रेशों का भूरा डाल दें।
- अब जिस बेलन में दरवाजा बनाया था उसके ऊपर शंकु को चिपका दें और आधार में चिपकाएं रेशों का भूरा वाला गोला। लीजिए सुंदर–सा घर बनकर तैयार है। इसे आप किसी सुरक्षित ऊं स्थान पर रख सकते हैं ताकि चिड़िया इसमें अपना घर बना लों।

किसान उत्पादक संगठन (FPO) ग्रामीण भारत की समृद्धि की चाबी

भारत के अधिकांश किसान छोटे और सीमांत वर्ग से आते हैं, जिन्हें कृषि कार्यों में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे किसानों को संगठित करने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए किसान उत्पादक संगठन की अवधारणा लाई गई है। एफपीओ एक ऐसे संगठन होता है, जिसमें किसान मिलकर खेती से जुड़ी गतिविधियों को संचलित करते हैं, जैस–बीज खरीद, फसल विक्रय, भंडारण, प्रसंस्करण आदि। इसका उद्देश्य किसानों की आय बढाना, लागत घटाना और बिचौलियों की भूमिका कम करना होता है।

एफपीओ की नींव वर्ष 2002 में लघु कृषक कृषि व्यवसाय संघ के माध्यम से रखी गई। 2013 में इसे कानूनी मान्यता से रखी गई। 2013 में इसे कानूनी मान्यता मिली और 2020 में सरकार ने ''10,000 एफपीओ योजना'' की शुरूआत की। आज भारत में दस हजार से अधिक एफपीओ कार्यरत हैं।

एफपीओ के लाभ

1. सस्ती कृषि सामग्री : सामूहिक रूप से बीज, खाद और मशीनों खरीदकर लागत घटाई जा सकती है।
2. बेहतर मूल्य : सामूहिक रूप से उपज बेचने पर उचित दाम मिलता है।
3. तकनीकी ज्ञान : आधुनिक खेती और जैविक पद्धतियों का प्रशिक्षण मिलता है।
4. सीधा बाजार संपर्क : एफपीओ खुदरा विक्रेताओं और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जुड़ सकते है।
5. जोखिम प्रबंधन : सामूहिक रूप से प्राकृतिक और आर्थिक जोखिमों से निपटा जा सकता है।

भंडारण, पैकेजिंग और ट्रॉसपोर्ट की व्यवसाय कर सकते हैं।

चुनौतियाँ

1. बैकों से ऋण प्राप्त करने में कठिनाई।
2. नेतृत्व और प्रबंधन की कमी।
3. बाजार की जानकारी का अभावा।
4. प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण की कमी।ण
5. पंजीकरण और नियमों की जटिल प्रक्रिया।
6. ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का आभाव।

सरकारी प्रयास

- SFAC और NABARD एफपीओ को तकनीकी व वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं।
- प्रधानमंत्री किसान सम्पदा योजना के तहत प्रसंस्करण इकाइयों के लिए अनुदान मिलता है।
- सरकार द्वारा ऋण गारंटी योजना चलाई गई है जिससे बैंकों से ऋण आसानी से मिल सके।

स्मार्ट एफपीओ क्या हैं ?

- स्मार्ट एफपीओ वे संगठन है जो डिलिटल तकनीक, ई–कॉमर्स, मोबाईल ऐप, डिजिटल भुगतान और डेटा विश्लेषण का प्रयोग करते हैं। ये पारंपरिक एफपीओं से अधिक दक्ष, पादरर्शी और किसानों के लिए लाभकारी होते हैं। इनसे किसानों को बाजार से सीधे जुडाव और बेहतर लाभ मिल सकता है।

आगे की राह

- एफपीओ को व्यवसायिक और तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।
- आसान कण और अनुदान योजनाएं लागू होनी चाहिए
- डिजिटल तकनीक और स्मार्ट कृषि उपकरणों का इस्तेमाल बढ़ाना चाहिए।
- एफपीओ को पंजीकरण और नियमन में सरलता मिलनी चाहिए।

एफपीआ किसानों को संगठित करके उन्हें आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी रूप से सशक्त बनाते हैं। स्मार्ट एफपीओ का प्रयास को ओर गति दे सकते हैं। यदि सरकार, संस्थाएँ और किसान मिलकर कार्य करें, तो एफपीओ भारत की कृषि व्यवस्था को आत्मनिर्भर और समृद्ध बना सकते हैं।

शोक सुचना

दलबीर सिंह अधीक्षक (आर.सी.एस. ऑफिस) का जन्म दिनांक 05.08.1967 को गांव अहुलाना तहसील गोहान जिला सोनीपत में हुआ। दसवीं कक्षा पास करने के बाद हरियाणा पुलीस में सिपाई भर्ती हुए। दिनांक 08.03.1989 को बतौर कर्लक विभाग में ज्वाईन किया। दिनांक 03.08.2000 में सहायक के पद पर व दिनांक 01.07.2016 को उप अधीक्षक के पद पर व 01.05.2020 को अधीक्षक के पद पर पदोन्नत होकर विभाग में सेवा प्रदान की। दिनांक 26.02.2025 को बिमारी के कारण स्वर्ग सिधार गए। मधुर भाषी अच्छे स्वभाव के धनी थे। परिवार में पत्नी व एक पुत्र है। अधिकारी/कर्मचारियों की भगवान से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को शान्ति प्रदान करे।

NANO TECHNOLOGY
NANO UREA & DAP
SAHKAR SE SAMRIDDHI
Aatmanirabhar Bharat, Aatmanirbhar Krishi
IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives
IFFCO NANO UREA Plus
and
IFFCO NANO DAP
Promises
More Yield And More Profit
World's First Nano Fertilizer by IFFCO
500 ML Bottle ₹225/- only
500 ML Bottle ₹600/- only
Contains 20% NITROGEN
FREE ACCIDENT INSURANCE
IFFCO Nano UREA Plus Liquid
IFFCO Nano DAP Liquid
NANO UREA PLUS
NANO DAP
LIQUID (8:16:0)
CROP NUTRITION REDEFINED
Less Cost, More Profits
INDIAN FARMERS FERTILISER COOPERATIVE LIMITED
IFFCO Sadan, C-1 District Centre, Saket Place, New Delhi - 110017, INDIA
Phones: 91-11-26510001, 91-11-42592626. Website: www.iffco.coop

यमुनानगर में आयोजित विकसित भारत–विकसित हरियाणा समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का स्वागत करते सहकारिता मंत्री, हरियाणा डॉ अरविन्द कुमार शर्मा एवं अन्य मंत्रीगण।

दिनांक 24 अप्रैल, 2025 को चंडीगढ़ में सहकारिता क्षेत्र की प्रगति और विस्तार को लेकर सहकारिता विभाग, हरियाणा की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते माननीय सहकारिता राज्य मंत्री, भारत सरकार श्री कृष्ण पाल गुर्जर। साथ में सहकारिता मंत्री, हरियाणा डॉ अरविन्द कुमार शर्मा एवं अधिकारीगण।

हरियाणा राज्य सहकारी विकास फैडरेशन की ओर से सौरव शर्मा संपादक द्वारा हरियाणा सहकारी प्रैस 165–166, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–1, चण्डीगढ़ से मुद्रित व प्रकाशित तथा कार्यालय बेज नं. 49–52, प्रथम तल, सेक्टर–2, पंचकूला ।
दूरभाष : 0172–2560340, 2560332 हरकोप्रैस : 0172–2637264